

## नबिंध रणनीति

सविलि सेवा के बदले हुए पाठ्यक्रम ने आपके अंतिम चयन में नबिंध को निर्धारक भूमिका में ला खड़ा किया है। सामान्य अध्ययन के चारों प्रश्नपत्रों की अपेक्षा नबिंध के प्रश्नपत्र में अपेक्षाकृत कम मेहनत करके अधिक अंक लाए जा सकते हैं। आप 250 अंकों के प्रश्नपत्र में 160-170 अंक तक प्राप्त कर सकते हैं।

- हालाँकि, ऐसा देखा जाता है कि नबिंध के प्रश्नपत्र को अनेक परीक्षार्थी बहुत हल्के में ले लेते हैं और सीधे परीक्षा भवन में ही जाकर नबिंध लिखते हैं। इनमें कुछ प्रतभाशाली वदियार्थी जो स्कूल और कॉलेज स्तर पर नबिंध लेखन करते रहे हैं, वे बेहतर प्रदर्शन करते हैं। परंतु, परीक्षार्थियों का एक बड़ा तबका अपने 'अति आत्म-वश्वास' का शिकार हो जाता है, क्योंकि सभी में तो ऐसी प्रतभा नहीं हो सकती कि सीधे परीक्षा भवन में नबिंध लिखें और अच्छे अंक पा जाएँ।
- आपके मन में एक बड़ा सवाल यह उठता रहा होगा कि आखिर नबिंध की तैयारी कैसे की जाए? इसके लिये कौन सी किताब पढ़ी जाए? तो यहाँ आपको स्पष्ट कर दें कि ऐसी कोई एक किताब नहीं है जसै पढ़कर आप रातोंरात नबिंध में पारंगत हो जाएँ। कोई ऐसी वर्धि भी नहीं है जसै रटकर आप नबिंध के प्रश्नपत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।
- अब, आप सोच रहे होंगे कि फिर ऐसा क्या है जो नबिंध के प्रश्नपत्र में आपको सहज और सफल बनाएगा? संघ लोक सेवा आयोग के नबिंधों की मूल प्रवृत्ति ही रचनात्मक रही है। यहाँ आपसे इस बात की बहुत अधिक उम्मीद नहीं की जाती है कि आप दिये गए वषिय में तथ्यों का वशाल पहाड़ खड़ा कर दें, बल्कि अधिक उम्मीद यह की जाती है कि आप अपने रचनात्मक और कल्पनात्मक कौशल का परिचय देते हुए दिये गए वषिय की अवधारणा को स्पष्ट करें। नबिंध को नीरस व उबाऊ बनाने की बजाय सरस व रोचक बनाएँ।
- सविलि सेवा परीक्षा के वर्तमान प्रारूप में नबिंध लेखन में एक चुनौती यह आती है कि कम-से-कम शब्दों में पूरे वषिय को स्पष्ट कैसे किया जाए? इसके लिये जो सबसे ज़रूरी बात है, वह है नयित समय व नयित शब्द-सीमा में लिखने का अभ्यास।
- प्रारंभिक परीक्षा के पश्चात् बचे हुए चार महीनों में जो सबसे पहला कार्य आपको करना है वह है- अधिक से अधिक वषियों पर लेखन अभ्यास, खासकर उन वषियों पर जो सविलि सेवा परीक्षा में अब तक पूछे जा चुके हैं।
- हालाँकि, सविलि सेवा परीक्षा में इस बात की बहुत कम ही संभावना रहती है कि वषिय रपिट हो। मगर यह ज़रूर है कि अगर आपने वगित वर्षों की परीक्षा में पूछे गए या उनकी प्रवृत्ति से मलिते-जुलते नबिंधों का अभ्यास कर लिया, तो परीक्षा भवन में पूछे गए नबिंध आपको नए नहीं लगेंगे। आप उनकी मूल प्रवृत्ति को समझ सकेंगे और बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।
- आप प्रयास यह करें कि बचे हुए चार महीनों में प्रतदिनि कम-से-कम एक वषिय पर नबिंध लिखें, प्रतदिनि नहीं तो कम-से-कम दो दिनों में एक नबिंध अवश्य लिखें।
- सबसे बड़ा सवाल नबिंध के प्रश्नपत्र को लेकर यह है कि क्या पढ़ा जाए? पहले भी यह चर्चा की जा चुकी है कि इसके लिये कोई एक ऐसी किताब नहीं है। वस्तुतः नबिंध आपके संपूर्ण व्यक्तित्व का परीक्षण है। इससे आपकी संवेदना और आपकी सोच का पता चलता है।
- कुछ आवश्यक सामग्री जो आपके नबिंध लेखन में लाभदायी होंगी उनमें नयिमति रूप से अखबारों में छपे संपादकीय लेख अत्यधिक महत्त्वपूर्ण हैं जो किसी वषिय के प्रत आपकी समझ को वकिसति करने में लाभकारी सिद्ध होंगे।
- इसके अलावा, कुछ प्रसिद्ध नबिंधकारों के नबिंध पढ़ें और यह समझने की कोशिश करें कि दिये गए वषिय को किस तरह से लेखक ने कतिने आयामों में बाँटा है और उसके क्या मनोभाव रहे हैं? ज़रूरी हो तो आवश्यक बातों को नोट भी करें।
- कुछ प्रसिद्ध महापुरुषों के कथन, शायरी, कविता भी याद कर लें, इनका एक संग्रह भी बना सकते हैं खासकर, गरीबी, न्याय, महिला, वज्जान, धर्म, भ्रष्टाचार से जुड़े वषियों पर।
- पूरे नबिंध के लिये बाज़ार में कोई स्तरीय पुस्तक उपलब्ध नहीं होने के कारण इसके लिये अध्ययन सामग्री की कमी रहती थी। लेकिन हाल ही में 'दृष्टि पब्लिकेशन' द्वारा प्रकाशित 'नबिंध-दृष्टि' पुस्तक ने इस कमी को दूर कर दिया है। इस पुस्तक में लिखे गए नबिंध न केवल परीक्षा के दृष्टिकोण से वभिन्न श्रेणियों में वभिजति हैं बल्कि प्रत्येक नबिंध की भाषा-शैली एवं अप्रोच भी स्तरीय है।

## कैसे बनाएँ नबिंध को रोचक?

- नबिंध को रोचक बनाने के लिये शायरी, कहानी, लोकोक्ति, श्लोक, संस्मरण, प्रसिद्ध वदिवानों के कथन या अन्य बातें जो आपको लगे कविषिय से जुड़ी हुई और प्रासंगिक हैं, उनका इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आप इनका इस्तेमाल नबिंध की शुरुआत, मध्य या अंत में अथवा जहाँ भी उचित मालूम पड़े, कर सकते हैं। मगर इस बात का ध्यान रहे कि आपके द्वारा इस्तेमाल की गई कविता/कहानी वषिय से जुड़ती हो, वह वषिय से एकदम भिन्न न हो, या फरि यूँ ही इस्तेमाल न की गई हो।
- इनका इस्तेमाल आपके नबिंध को रोचक व प्रवाहमय बनाएगा और परीक्षक आपके नबिंध को पढ़ते वक्त बोर भी नहीं होगा। वदिवानों के कथन आपकी बात को पुष्ट व प्रमाणिक बनाते हैं, कभी-कभी तो सीधे कोई काव्य पंक्ति या वदिवानों के कथन नबिंध के वषिय के रूप में पूछ लिये जाते हैं। इससे आप इनकी महत्ता समझ सकते हैं।
- वस्तुतः नबिंध का उद्देश्य आपके ज्ञान परीक्षण से अधिक आप के व्यक्तित्व का परीक्षण करना है। आप कैसे इंसान हैं? सविलि सेवक बनने के बाद आप आम जन की भावना और संवेदना से जुड़ पाएंगे या नहीं? आपके नबिंध लेखन में ये भाव आपके लाख छपाने के बाद भी अभिव्यक्त हो जाते हैं।
- नबिंध और इंटरव्यू में काफी हद तक समानता भी इसी बात को लेकर है। इसलिये, नरितर अपने व्यक्तित्व को नखिरने और सकारात्मक वचिरों को नरितर ग्रहण करने का प्रयास करें। आशावादी बनें, समस्याओं के समाधान बताएँ न कसिमस्याएँ खड़ी करें। आपकी नरिशवादी वचिरधारा आपको प्रतयोगिता से बाहर कर सकती है, यकीन मानें।

## नबिंध लिखते समय क्या हो वचिरधारा?

- परीक्षार्थियों के समक्ष एक बड़ी समस्या इस बात को लेकर रहती है कि नबिंध लेखन के समय हमारी वचिरधारा क्या हो? क्या कसिी खास वचिरधारा का कोई असर पड़ता है? क्या हम सरकारी नीतियों का वरिोध कर सकते हैं?
- इसका सीधा-सा जवाब है कि हमारी वचिरधारा चाहे जो भी हो, बस आम जन के वरिोध वाली नहीं होनी चाहिये; कसिी लगी, जाती व धरम के प्रतति दुराग्रहपूर्ण नहीं होनी चाहिये, और अगर ऐसा है तो नश्चिति रूप से इसका असर पड़ता है। जहाँ तक सरकारी नीतियों के वरिोध की बात है तो उचित वरिोध किया जा सकता है, मगर सरिफ वरिोध करने के लिये वरिोध न करें।

## कैसे करें वषियों का चुनाव?

- पछिले वर्ष पूछे गए नबिंध के प्रश्नपत्र में प्रथम व द्वितीय खण्ड से 4-4 नबिंध पूछे गए जनिमें दोनों खण्डों से 1-1 वषिय का चुनाव करना था। यानी अब आपको एक नहीं दो वषियों पर नबिंध लिखना होगा और इस संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि भवषिय में यह संख्या और भी बढ़ जाए।
- ऐसे में वषिय चयन के प्रतति सावधानी अतति आवश्यक है। आप दिये गए वकिलुपों में जसिमें अधिक सहज हों, जो आपकी रुचि से जुड़ा हो, उसका चयन करें। लेकिन यह चयन सोच समझकर करें क्योंकि एक बार लिखना शुरू करने के बाद फरि आपको लगे कि आप कसिी और वषिय पर ज़्यादा अच्छा लिख सकते थे, तो इससे आपके समय और ऊर्जा दोनों की बर्बादी होती है, साथ ही आपका आत्मवश्वास भी गरिता है और लिखकर काटना, फरि लिखना परीक्षक पर भी सकारात्मक असर नहीं डालता है।
- एक बार यदि कसिी वषिय पर लिखना शुरू कर दें तो पूरे आत्मवश्वास के साथ लिखें। ध्यान रखें कि नबिंध के कसिी भी प्रश्न का कोई एक नश्चिति उत्तर नहीं होता। यह आप पर नरिभर करता है कि आपका वषिय के प्रतति क्या नज़रिया है, आप वषिय को कैसे परभाषति करते हैं? जैसे कि यूपीएससी ने 2005 में एक नबिंध पूछा था- 'शशु को खलाने वाले हाथ'। इस पर कसिी परीक्षार्थी ने शशु को खलाने वाले हाथों को माँ के नज़रिये से देखा तो कसिी ने पूरे परिवार व समाज के नज़रिये से। नबिंध के रूप में जवाब कभी पूर्णतया सही या गलत नहीं होते। हाँ, यह प्रयास अवश्य करें कि दिये गए वषिय के मूलभाव तक पहुँच सकें।

## परीक्षा भवन में क्या करें?

- प्रश्नपत्र सामने आते ही पहले सभी वषियों को आराम से पढ़ें, फरि जो आपको अधिक रुचिपूर्ण लगे उसका चयन करें।
- दिये गए वषिय के पक्ष व वपिक्ष में कुछ बटुि सोचें व नोट करें, फरि उन्हें सम्यक रूप से लिखने की कोशिश करें।
- कई बार, कुछ वषियों में सरिफ पक्ष या सरिफ वपिक्ष का चुनाव कर सकते हैं, मगर ऐसे में आपके पास सरिफ वरिोध या सरिफ समर्थन के ठोस तर्क होने चाहिये, हवा-हवाई बातों से काम नहीं चलेगा। अंत में नषिक्ष अवश्य लिखें जो कि आपके नबिंध का सार है।

## कैसे करें लिखने की शुरुआत? क्या हो उचित समापन?

- नबिंध का उत्तर लखते समय कुछ परीक्षार्थियों के मन में बड़ा प्रश्न यह होता है कि पहली पंक्ति में क्या लिखें? शुरुआत कहाँ से करें, तो बिना डरे किसी कविता, कहानी, कोई संस्मरण, किसी फ़िल्म का प्रासंगिक दृश्य, आपके जीवन से जुड़ी कोई घटना आदि से शुरुआत की जा सकती है।
- अंत भी ऐसा ही हो जो वषिय के मूलभाव को संतुलित तरीके से समेट सके।
- इसमें अच्छे अंक प्राप्त करने के लिये आप परीक्षा से पूर्व इससे सम्बंधित किसी मॉक टेस्ट श्रृंखला में सम्मिलित हो सकते हैं। अगर संभव हो तो आप 'दृष्टि दलिन' द्वारा दलिली में चलाई जाने वाली नबिंध की कक्षाओं में भाग ले सकते हैं।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/essay-strategy>

